an>

Title: Regarding impact of demonetization of 500 and 1000 currency notes in the country.

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप बोलिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, आज सारे भारत में आक्रोश दिन मनाया जा रहा है।...(व्यवधान) प्रधान मंत्री मोदी जी ने जो कदम उठाया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : यह आक्रोश आपके खिलाफ हो सकता है। मैं क्या करूँ?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: उन्होंने जो कदम उठाया है, उसकी वजह से किसान, गरीब, मजदूर, अनआर्गनाइज्ड वर्कर्स, गृहिणी, महिला आदि सभी लोग तंग हैं।...(व्यवधान) आज एक पैसा भी बैंक से नहीं निकाल सकते।...(व्यवधान) जो काम उन्होंने किया है, उसकी वजह से सारे देश में एक आर्थिक अव्यवस्था हो गई है।...(व्यवधान) उस अव्यवस्था की वजह से पूरा देश आज बर्बाद हो रहा है।...(व्यवधान) खासकर के जो काला धन निकालने के लिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उनको बोलने दीजिए। आप भी बोलेंगे। आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: काला धन के बारे में और उसको बन्द करने के बारे में हमारा पूरा सपोर्ट है।...(व्यवधान) लेकिन जिस ढ़ँग से यह किया गया है और जिस ढ़ँग से आज यह माहौल क्रिएट किया गया है, मैं एक ही उदाहरण आपके सामने रखना चाहता हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: इस सदन के और इस सरकार के एक मंत्री अपने भाई का शव लाने के लिए हॉस्पिटल गए और वहाँ उन्होंने पुराने नोट दिए तो उस वक्त उस हॉस्पिटल ने यह कहा कि ये पुराने नोट नहीं चलते और 8 तारीख के दिन प्राइम मिनिस्टर ने यह कहा है ये कागज के टुकड़े हैं।...(व्यवधान) उन्होंने कहा कि जब ये कागज के टुकड़े हैं तो हम हॉस्पिटल वाले इन्हें कैसे स्वीकार करें तो इसलिए उनको चेक देकर आना पड़ा।...(व्यवधान) उनको मनवाना पड़ा।...(व्यवधान) उन्होंने यहाँ तक कहा कि मैं मॉफी माँगता हूँ और जो आपको तकलीफ हो रही है, सामान्य जनता को भी यह तकलीफ हुई है, मैं प्रधान मंत्री को और गवर्नमेंट को जाकर यह बताऊँगा।...(व्यवधान) ऐसा एक यूनियन मिनिस्टर कहते हैं।...(व्यवधान) यह सबूत है।...(व्यवधान) कॉमन आदमी की क्या हालत है, मजदूरों की क्या हालत है?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: अन्य दूसरे लोगों की क्या हालत है?...(व्यवधान) इसलिए हम यह चाहते हैं कि आप हमें एडजर्नमेंट मोशन के लिए अलाऊ कीजिए।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, not on Adjournment Motion please.

...(*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : हम आपको सारी चीजें बतायेंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सुदीप बन्दोपाध्याय जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: महोदया, 70 से ज्यादा लोग मर गए हैं।...(व्यवधान) कम से कम 1,200 लोग घायल हो गए हैं।...(व्यवधान) तो इसीलिए यह जरूरी है कि आप एडजर्नमेंट मोशन को अलाऊ कीजिए, हम आपके सामने सारी चीजें रखेंगे।...(व्यवधान) उस वक्त मालूम होगा कि मोदी साहब सच हैं या हम सच हैं।...(व्यवधान) सारी जनता आज जो कर रही है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आपकी बात हो गई है। सुदीप जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, लम्बा भाषण नहीं देना है। मैंने थोड़ी सी बात बोलने के लिए कहा है। अब आप कम्प्लीट कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: दूसरी बात यह है कि इस डेड लॉक को खत्म करने के लिए एक ही उपाय है और वह यह है कि प्राइम मिनिस्टर सदन में आयें, एडजर्नमेंट मोशन को स्वीकार करें और हमें बात करने के लिए आप सहमति दें।...(व्यवधान) यह जनता का मामला है।...(व्यवधान) यह 125 करोड़ जनता की समस्या है।...(व्यवधान) यह सिर्फ एक-दूसरे की समस्या नहीं है।...(व्यवधान)

मैडम, मैं आपसे विनती करता हूँ कि आप सहमति दें और हम सबको यहाँ बात करने की अनुमति दें।...(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, our target and our aim is to see that the House runs smoothly. We want that the House runs. ...(*Interruptions*)

The Ruling Party has a role to play. My submission to the Ruling Party and to the Government is that they should try to find out a way how we could

come to a solution so that the discussion takes place. ...(*Interruptions*)

We can put our observations on the floor. Let the Prime Minister reply and a healthy debate take place. ...(*Interruptions*)

Today, in Kolkata, Kumari Mamata Banerjee has now started a rally having more than five lakh people. Just now she has started. ...(*Interruptions*)

Madam, we want to say that the people are suffering. If we do not discuss it on the floor of the House, they would feel what for Parliament is. People should know what the Government is thinking. The Prime Minister is not addressing the House. What would people feel? What for we are in Parliament. ...(व्यवधान) एक मिनट सुनिए, मैं बोल रहा हूँ। हम हाउस चलाएँगे। ...(व्यवधान) The sufferings of the common people are at a skyrocketing height. There is nobody to give them relief. How would they get relief? How would they be benefited? What for Kumari Mamta Banerjee is fighting since beginning? She is fighting for the poor people. ब्लैक मनी को रिकवर करने के लिए हम लोग सबसे पहले सपोर्ट देंगे सरकार को। ब्लैक मनी रिकवर हो, लेकिन एक प्लांड वे में हो, एक सिस्टमैटिक वे में हो। हेस्टी डिसीजन में पूरी स्थिति गड़बड़ हो गई है। थोड़ा डिसकशन करके कुछ रास्ता निकालना चाहिए that is the only submission...(*Interruptions*). We want that Adjournment Motion should be allowed. ...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: You have not given any notice. Yes, Mr. Mulayam Singhji. सुदीप जी, आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव (आज़मगढ़) : अध्यक्ष महोदया, खड़गे जी ने जो सवाल उठाया, मैं उसका पूरी तरह से समर्थन करता हूँ। दूसरी बात यह है कि अगर हम सब लोग मांग कर रहे हैं कि प्रधान मंत्री आकर यहाँ स्टेटमैंट दें, अपनी बात कहें कि क्या मजबूरी थी कि ऐसा किया है, तो उन्हीं के सम्मान के लिए यह है। वे सदन में अपनी बात करें। लेकिन अगर यह कहें कि प्रधान मंत्री इतने महत्वपूर्ण सवाल पर भी नहीं आएँगे, तो सदन का क्या महत्व उनके मन में है? पूरा देश चिन्तित है और पूरे देश में यह हालत है कि खेत बोये नहीं जा रहे हैं। मैं माननीय गृह मंत्री जी को यह बताना चाहता हूँ कि बीज नहीं है, पानी नहीं है और सबसे बड़ी समस्या किसान की हो गई है। जब किसान बरबाद होगा, तो देश तो बरबाद हो ही जाएगा। सबसे ज्यादा असर यदि किसी पर पड़ा है तो किसानों पर पड़ा है, गरीबों और मजदूरों पर पड़ा है। यह सवाल गंभीर है। इस गंभीर सवाल पर चर्चा भी करा दीजिए और अगर आप चर्चा के लिए नहीं मान रही हैं तो प्रधान मंत्री जी आकर स्टेटमैंट दें। ...(व्यवधान)

SHRI P. KARUNAKARAN (KASARGOD): Madam, people from all walks of life are suffering due to the new decision taken by the Government. We are always for the discussion. It is really the duty of the Government to run the House smoothly. The Chair also can advise the Government to have the discussion. We are not against discussion. There were a number of instances in this House itself when such a serious issue had come up and the Government had come forward. We thought that on the first day our Prime Minister will come in this House and inform that he has taken a new decision and this is the real issue. But the Prime Minister has not come and he is not responding but he is responding in public meetings. The Prime Minister is not the Prime Minister of the BJP alone. The Prime Minister is not the Prime Minister of the *â€¦** alone. â€¦ (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : यह नाम नहीं जाना चाहिए।

â€¦(व्यवधान)

SHRI P. KARUNAKARAN: The Prime Minister is the Prime Minister of India. When the people are suffering why is the Prime Minister silent? We request you to allow the discussion under Rule 56. ...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : जय प्रकाश जी, क्या आप बोलना नहीं चाहते हैं? मैंने उनको बैठने के लिए बोल दिया है।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : अध्यक्ष महोदया, आज पूरे देश में आक्रोश दिवस मनाया जा रहा है। क्यों मनाया जा रहा है? बिना परिस्थिति और परिणाम के आकलन किए हुए नोटबंदी का अव्यावहारिक निर्णय लिया गया जो जनविरोधी है, जो दुखदायी है। आज गरीब और आम आदमी परेशान है। किसान परेशान है, मजदूर परेशान है, दवा नहीं मिलती है। आज लोग हार्ट अटैक से मर रहे हैं। आज माता और बच्चे तकलीफ में हैं। इन्होंने वादा किया था कि काला धन विदेश से लाएँगे। विदेश से तो नहीं लाए। इन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया बनाएँगे, ये तो बैंक इन इंडिया शुरू कर दिये हैं। आज अराजकता की स्थिति है। यह राजतंत्र नहीं है, लोकतंत्र है। सबको अपनी बात कहने का हक है।

आज सदन चले और माननीय प्रधानमंत्री यहां आएं। ...(व्यवधान) एडजर्नमेंट मोशन को स्वीकार किया जाए। ...(व्यवधान) यहां पर बहस हो। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री पी. कुमार।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: You have not given any notice.

...(*Interruptions*)

SHRI P. KUMAR (TIRUCHIRAPPALLI): Due to the sudden announcement of demonetization of Rs. 500 and Rs. 1000 notes, the common people have been affected. So, the Government may take all necessary steps to ease out the situation on war footing...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : बस हो गया, सबको नहीं।

â€¦(व्यवधान)

श्री भर्तृहरि महताब (कटक) : मैडम, मैंने पहले भी कहा था, आज भी दोहरा रहा हूं। पास्ट तो टेंस था ही, प्रेजेंट तो काफी टेंस हो गया है और फ्यूचर भी टेंस होने वाला है। यह जो परिस्थिति की सृष्टि हुई है, इससे आगे निकलकर हमें जाना है। इसलिए मैं सोचता हूं कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण काम सरकार को करना है, पहल सरकार को करनी है। नोटिसेज तो अपोजीशन की तरफ से हम सब दिए हैं, कोई एडजर्नमेंट मोशन की नोटिस दिए हैं, कोई नियम 193 में दिए हैं और कोई नियम 184 में भी नोटिस दिए होंगे। ये तीन ही व्यवस्था हैं, जिन पर सरकार विचार करे और आप विचार करें और

आपस में मिल-बैठकर इसको आगे बढ़ाना है। मैं यही चीज आपके सामने रखता हूं।

दो हफ्ते बीत चुके हैं। आगे और भी महत्वपूर्ण विधेयक आने वाले हैं। जो देश की परिस्थिति है, इस परिस्थिति के बारे में हमको यहीं इसी हाउस में चर्चा करनी है और इसके समाधान की ओर आगे बढ़ना है। इसलिए मैं आपके जरिए सरकार से निवेदन करूंगा कि जल्दी से जल्दी, जितनी जल्दी हो सके, कई लोग कह रहे थे कि हम वेट कर रहे हैं कि मंडे, आज 28 तारीख को देश में क्या होने वाला है, उसके बाद ही हम कोशिश करेंगे। मैं यही निवेदन करता हूं कि आज तो 28 तारीख हो गई, जो भी होने वाला है, जिस तरह का आक्रोश या बंद या जो भी है ...(व्यवधान) जो भी हुआ है, वह सारे लोगों को पता चला है कि क्या है। ...(व्यवधान) इसमें कोई कंप्रोमाइज नहीं करेगा कि लोग दिक्कतें झेल रहे हैं। Everyday people are suffering. For this, there is a need to find a way out. There is also a need for the Government to take suggestions from the Opposition. That is the reason why I always urge, along with Shri Sudip Bandopadhyay that let us find a way out. Let us sit down and find a way out. You can also intervene. These are my requests, through you, to the Government.

श्री आनंदराव अडसुल (अमरावती): आदरणीय अध्यक्ष महोदया, भारत बंद का ऐलान हुआ था, आक्रोश दिन मनाने का ऐलान हुआ था, इन दोनों में से कोई भी दिखाई नहीं दिया। ...(व्यवधान) मैं और मेरे साथी सांसद आदरणीय प्रधानमंत्री जी से मिले थे। ...(व्यवधान) शहरी इलाके में परिस्थिति में सुधार जरूर आ रहा है, पूरी तरह से नहीं सुधरी है, लेकिन ग्रामीण इलाके में पर्टिकुलरली महाराष्Âट्र हो, गुजरात हो, कर्नाटक हो, यहां कोआपरेटिव का नेटवर्क बहुत बड़े पैमाने पर है। अगर मैं आंकड़े दे दूं तो 503 कोआपरेटिव बैंक्स हैं, जिनकी 6 हजार शाखाएं हैं, 18 हजार कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटीज हैं और उनकी 23 हजार शाखाएं हैं। डिस्ट्रिक्ट बैंक, सेंट्रल कोआपरेटिव बैंक 33 हैं, उनकी 4 हजार शाखाएं महाराष्Âट्र में हैं। यह आंकड़े से पता चलता है कि रूरल जो हमारी जनता है, वह उनके साथ जुड़ी हुई है। प्राइम मिनिस्टर को मिलने के बाद उन्होंने हमें बताया कि कोई रास्ता निकालने का मैं प्रयास करूंगा।

दूसरे दिन फाइनेंस सेक्रेटरी ने टीवी के ऊपर ऐलान भी किया कि 21 हजार करोड़ रुपए हम नाबार्ड के थ्रू डिस्ट्रिक्ट बैंक को दे देंगे, लेकिन आज तक कोई पैसा नहीं दिया। ...(व्यवधान) हालात वहीं के वहीं हैं। ...(व्यवधान)

आदरणीय वित्त मंत्री जी भी सदन में बैठे हैं। यह ऐलान टीवी पर किया। ...(व्यवधान)

प्रेस मैंने देखा ...(व्यवधान) लेकिन दुर्भाग्य से परिस्थिति में ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वह बोल रहे हैं न, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री आनंदराव अडसुल: ग्रामीण इलाके में परिस्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ...(व्यवधान) जहां कोआपरेटिव मूवमेंट बहुत बड़े पैमाने पर है ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए न। यह क्या हो रहा है?

â€¦(व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE : Madam, you please allow this discussion...(*Interruptions*)

श्री आनंदराव अडसुल: मेरी विनती है कि डिसकशन से पहले कोऑपरेटिव मूवमेंट को पैसे देने की बात हो सकती है।...(व्यवधान) चर्चा होनी चाहिए। मैंने उस दिन भी बताया था कि सरकार जिस तरह चाहे, लेकिन चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान) लोगों को बोलने का मौका मिलना चाहिए।...(व्यवधान)

12.20 hours

(*At this stage, Shri Gaurav Gogoi, Shri Kalyan Banerjee and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : अध्यक्ष महोदया, हमारी सरकार ने जो फैसला लिया है, वह फैसला ऐतिहासिक है, साहसिक है और साथ ही प्रो-पुअर है, मैं यह स्पÂष्ट करना चाहता हूं।...(व्यवधान) देश में कोई एक व्यक्ति भी नहीं है जो हमारी सरकार द्वारा, हमारे प्रधान मंत्री जी द्वारा लिए गए इस फैसले पर इस आधार पर सवालिया निशान लगाए कि इसमें कहीं बदनीयत यानि हमारी सरकार की नीयत पर कोई सवालिया निशान नहीं लगाया जा सकता।...(व्यवधान) मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि यदि इसके इम्प्लीमेंटेशन को लेकर किसी को शिकायत है तो पहले दिन से ही हम सब लोग चर्चा के लिए, बहस करने के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान) लोगों द्वारा जो भी सुझाव प्राप्त होंगे, उन पर गंभीरतापूर्वक विचार करने के लिए भी हम सब तैयार हैं।...(व्यवधान) लेकिन जो फैसला लिया गया है, वह राष्Âट्र हित में लिया गया फैसला है।...(व्यवधान) मैं यह स्पÂष्ट करना चाहता हूं कि हमारी सरकार का यह फैसला काले धन के खिलाफ एक जंग है और सारे देश ने इसी रूप में इसे स्वीकार किया है।...(व्यवधान)

जहां तक प्रधान मंत्री जी के सदन में आने का प्रश्न है, मैं यह भी स्पष्Âट करना चाहता हूं कि चर्चा प्रारंभ हो, चर्चा किस नियम के अंतर्गत होनी चाहिए, यदि इस पर कोई फैसला करने के लिए अधिकृत है तो अध्यक्ष महोदया ही हैं।...(व्यवधान) आप फैसला करें कि किस नियम के अंतर्गत इस पर चर्चा होगी।...(व्यवधान) हम सब लोग चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।...(व्यवधान) हम इस संबंध में प्रतिपक्ष को भी सुनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।...(व्यवधान) इसलिए इस पर बहस प्रारंभ होनी चाहिए। हमें बहस को लेकर कोई आपत्ति नहीं है।...(व्यवधान) जहां तक प्रधान मंत्री जी के आने का प्रश्न है, मैं यह स्पÂष्ट करना चाहता हूं कि यदि प्रतिपक्ष चाहता है कि प्रधान मंत्री जी भी आएं तो प्रधान मंत्री जी आएंगे और जहां आवश्यक हुआ, पूरी बहस में इंटरवैंशन करेंगे।...(व्यवधान) मैं प्रतिपक्ष को यह यकीन दिलाना चाहता हूं।...(व्यवधान)